



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 416]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 11, 2014/श्रावण 20, 1936

No. 416]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 11, 2014/SHRAVANA 20, 1936

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2014

**सा.का.नि. 576(अ).**—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा 14 की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हो, तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाई अड्डा के सामने, नई दिल्ली-110003 को भेजें;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व, उक्त प्रारूप नियमों के बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

## प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 2014 है।  
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- वायुयान नियम, 1937 में (इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), नियम 3 में,—  
(क) खंड (10 क) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्,—  
(10 क क) “प्राधिकृत पक्षकार” से केपटाउन प्रोटोकॉल” के अनुच्छेद XIII (3) में उल्लिखित पक्षकार अभिप्रेत है;”

(ख) खंड 11 के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“(11 क) “केपटाउन प्रोटोकॉल” से 16 नवंबर, 2001 को केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका में हस्ताक्षरित वायुयान उपस्कर के विनिर्दिष्ट विषयों पर केपटाउन अभिसमय के प्रोटोकॉल सहित उस संबंध में बनाया गया कोई विनियम अभिप्रेत है जिसे भारत द्वारा मान लिया गया है।

(ग) खंड 28 के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“(28 क) “आई डी ई आर ए” से केपटाउन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद XIII में यथा अनुध्यात अप्रतिसंहरणीय रजिस्ट्रीकरण के रद्दीकरण और निर्यात अनुरोध प्राधिकार और केपटाउन प्रोटोकॉल के अनुबंध के अनुसार उपबंधित सारतः प्ररूप और रीति अभिप्रेत है।

(28 ख) “आई डी ई आर ए धारक” से किसी आई डी ई आर ए के अधीन प्राधिकृत पक्षकार या उसका प्रमाणित नामित व्यक्ति अभिप्रेत है।

(घ) खंड 47 के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“(47 क) “रजिस्ट्रीकृत हित” से केपटाउन अभिसमय के अध्याय V के अनुसरण में रजिस्ट्रीकृत कोई हित अभिप्रेत है;”

3. उक्त नियम के नियम 30 में,-

(क) उप-नियम (6) में, खंड (iv) में “प्रवृत्त नहीं है” शब्दों के स्थान पर “समाप्त हो गया है; या लागू विधि के अनुसार समाप्त कर दिया गया है” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ख) उप-नियम (6) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्,-

“(7) केन्द्रीय सरकार द्वारा उप-नियम (2) के खंड (क) के उप-खंड (iv) के अनुसरण में भारत में लीज पर लिए गए किसी रजिस्ट्रीकृत वायुयान के रजिस्ट्रीकरण को रद्द किया जा सकेगा यदि लीज की अवधि समाप्त होने से पहले आई डी ई आर ए धारक से निम्नलिखित के साथ कोई आवेदन प्राप्त होता है:

(i) आई डी ई आर ए की मूल प्रति या नोटरीकृत प्रतिलिपि;

(ii) वह प्रमाणपत्र जिसमें यह प्रमाणित किया गया है कि सभी रजिस्ट्रीकृत हितों के श्रेणीकरण को प्राथमिकता के आधार पर निपटा दिया गया है या ऐसे हितधारकों ने रजिस्ट्रीकरण के रद्दीकरण और निर्यात के लिए सहमति दे दी है।

परंतु इस उपबंध के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा लीज पर लिए गए वायुयान के रजिस्ट्रीकरण के रद्दीकरण की प्रक्रिया उसकी किसी संस्था या किसी अंतर-सरकारी संगठन, या भारत में अन्य निजी सेवा प्रदाता के उस वायुयान को रोकने या निरुद्ध करने या कुर्की या बिक्री करने के अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसके लिए उस वायुयान के बाबत उसके द्वारा सीधे उपलब्ध कराई गई सेवा के संबंध में उसके कानूनों के अधीन, भारत सरकार को, किसी ऐसी संस्था, संगठन या प्रदाता द्वारा धनराशियों का भुगतान देय है।”

[फा.सं ए.वी.11012/1/2014-ए]

अनिल श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

**टिप्पण:** मूल नियम सरकारी राजपत्र में तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या वी-26 के द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन तारीख 21 जून, 2012 को अधिसूचना सं. सा.का.नि. 487 (अ) द्वारा किया गया।

**MINISTRY OF CIVIL AVIATION  
NOTIFICATION**

New Delhi, the 4<sup>th</sup> August, 2014

**G.S.R. 576 (E).**—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above, will be considered by the Central Government.

**Draft Rules**

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2014.  
(2) They shall come into force on the date of their final publications in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3,—
  - (a) after clause (10A), the following clause shall be inserted, namely:—  
'(10AA) "authorised party" means the party referred to in Article XIII (3) of the Cape Town Protocol;'
  - (b) after clause 11A, the following clause shall be inserted, namely: —  
'(11AA) "Cape Town Protocol" means the Protocol to the Cape Town Convention on matters specific to Aircraft Equipment, signed in Cape Town, South Africa on 16<sup>th</sup> of November, 2001, together with any regulations made in connection therewith as acceded to by India;'
  - (c) after clause 28, the following clauses shall be inserted, namely:—  
'(28A) "IDERA" means the irrevocable deregistration and export request authorisation as contemplated in Article XIII of the Cape Town Protocol and substantially in the form and manner provided as an Annexure to the Cape Town Protocol;  
(28B) "IDERA Holder" means the authorised party under an IDERA or its certified designee;'
  - (d) after clause 47, the following clause shall be inserted, namely: —  
'(47A) "Registered Interest" means any interest registered pursuant to Chapter V of the Cape Town Convention;'
3. In rule 30 of the said rules,—
  - (a) in sub-rule (6), in clause (iv), for the words "is not in force; or", the words "has expired; or has been terminated in accordance with the law applicable; or" shall be substituted;
  - (b) after sub-rule (6), the following sub-rule shall be inserted, namely:—  
'(7) The registration of a leased aircraft registered in India in pursuance of sub-clause (iv) of clause (a) of sub-rule (2) may be cancelled by the Central Government, if an application is received from IDERA holder prior to expiry of the lease alongwith :  
(i) original or notarised copy of the IDERA;  
(ii) a certificate that all registered interests ranking in priority have been discharged or the holders of such interest have consented to the deregistration and export:  
Provided that the deregistration of leased aircraft by the Central Government under this provision shall not affect the right of any entity thereof, or any inter-governmental organisation, or other private service provider in India to arrest or detain or attach or sell an aircraft object under its laws for payment of amounts owed to the Government of India, any such entity, organisation or provider directly relating to the services provided by it in respect of that object.''

[F. No. AV 11012/1/2014-A]

ANIL SRIVASTAVA, Jt. Secy.

**Note.**—The principal rules were published in the Gazette of India, vide notification number V-26, dated the 23<sup>rd</sup> March, 1937 and last amended vide notification number G.S.R. 487 (E), dated 21<sup>st</sup> June, 2012.